Education Bill, 1973, which was passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 27th March, 1973".

ORISSA STATE LEGISLATURE (DELEGATION OF POWERS) BILL

SECRETARY: Sir, I lay on the Table of the House the Orissa State Legislature (Delegation of Powers) Bill, 1973, as passed by Rajya Sabha.

13.48 hrs.

STATEMENT *RE* PURCHASE OF MILO FROM ABROAD

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI F. A. AHMED): The Hon'ble Members are already aware of the Government's decision to import during the current year, on commercial basis, about 2 million tonnes of wheat/milo from abroad. As for milo, 6.5 lakh tonnes have already been contracted for purchase and necessary arrangements for shipping have been finalised. Having regard to the presence of dhatura seeds noticed in some consignments of milo, Government have since decided to stop any further purchase of milo. Out of 6.5 lakh tonnes of milo already contracted for purchase, 1.18 lakh tonnes have been received in the Indian ports upto 20th March, 1973, while the balance quantity of milo is under despatch. By and large, shipping arrangements had been finalised and necessary contracts entered into with the shippers etc. for the rest of milo. Government have been advised that the arrangements finalised and contracted will have to be allowed to stand, as otherwise here may be serious financial and legal implications. However, instructions have been issued that stricter inspection should be carried out before despatch of milo. As already stated on the floor of this House, arrangements have been made to clean milo received from abroad before distribution.

13.50 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE
TWENTY-EIGHTH REPORT

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH): I beg to move:

"That this House do agree with the Twenty-eighth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 30th March, 1973."

MR. SPEAKER: The question is:

"That this House do agree with the Twenty-eighth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 30th March, 1973".

The motion was adopted

13.51 1/2hrs.

RE. STRIKE IN STANTON PIPE AND FOUNDRY FACTORY, UJJAIN

MR. SPEAKER: I have allowed two hon. Members under rule 377—Shri Kachwai and Shri Phool Chand Verma—to speak about the strike. Shri Kachwai is not here. Shri Verma.

13.55 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair.*]

श्री फूल चंद वर्मा (उज्जैन) : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने नियम 377 के अन्तर्गत सार्वजनिक अविलम्बनीय लोक महत्व के एक प्रश्न पर चर्चा उठाने के लिए आपको सुचना दी थी। उसके सम्बन्ध में मैं निवेदन करना चाहता हूं कि उज्जैन में स्टैंटन पाइप एंड फाउंड्री फैक्ट्री जो केन्द्रीय सरकार का एक उद्योग है उसमें पिछले 44 दिनों से लगातार हड़ताल चल रही है हड़ताल का कारण यह है कि पिछले तीन वर्षों

[श्री फूलचन्द वर्मा]

से मजदूरों की निरंतर मांग के बाद भी इंजीनियरिंग उद्योग में वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू नहीं किया गया है। वहां पर मैनेजमैंट और इंटक की मिली भगत के कारण यह मांग अभी तक स्वीकार नहीं की गई और मुझे कल एक तार मिला है कि वहां पर जो हड़ताली मजदूरों के संयोजक थे महेन्द्र सिंह और दूसरे उनके साथी पीरूलाल, उनको इंटक के गुन्डों ने छुरा मार कर घायल कर दिया और आज वह उज्जैन के अस्पताल के अन्दर भर्ती है जहां उनकी हालत बड़ी गम्भीर है। वहां पर आज इतना टैंशन व्याप्त हो गया है कि जनता और कारखाने के अन्दर ला एंड आर्डर मेन्टेन करना वहां की लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के लिए एक सरदर्द बना हुआ है। मैं और भी कुछ निवेदन करना चाहता हूं पिछले समय भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री श्री सुरेश शर्मा ने इसी हड़ताल के बारे में मध्य प्रदेश विधान सभा के सामने अनिश्चित काल तक भूख हड़ताल की थी। उस समय मुख्य मंत्री श्री पी० सी० सेठी के आश्वासन पर कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त कर दी थी। हड़ताल की समाप्ति के बाद एंटक और पाइप फैक्ट्री के मैनेजमैंट की मिलीभगत के कारण चार मजदूरों को काम पर से निकाल दिया गया। तब उन्होंने फिर हड़ताल की और हड़ताल करने पर एंटक के गुन्डों और मैनेजमैंट ने मिलकर उनके ऊपर इस प्रकार की कार्यवाही की है। इसी प्रकार से पिछले समय भी तीन बार इस विषय पर चर्चा हो चुकी है। सात मार्च को विधान सभा में एक ध्यानाकर्षण सूचना के ऊपर वहां के श्रम मंत्री ने कहा था कि त्रिपक्षीय वार्ता के अन्तर्गत इस बात को हल कर लिया जायगा लेकिन आज स्थिति यह है कि वहां पर हड़ताली मजदूरों के संयोजक और उनके एक दूसरे साथी को छुरा मार कर घायल कर दिया गया है, उनकी हालत बहुत ही गम्भीर है और वह अस्पताल में पड़े हैं। ला एंड आर्डर मेनटेन करना बहुत ही मुश्किल हो रहा है। इसलिए मंत्री महोदय इसमें तुरन्त हस्तक्षेप करके इस हड़ताल को जल्दी से जल्दी तुड़वाएं और इस सम्बन्ध में एक वक्तव्य दें ताकि राष्ट्रीय सम्पत्ति और उत्पादन की हानि जो हो रही है उसको रोका जा सके और मजदूरों की जो मांग है कि तृतीय वेतन आयोग की सिफारिशें वहां लागू की जाएं, यह तत्काल लागू होनी चाहिए। इन शब्दों के साथ में मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि वह इसके बारे में वक्तव्य दें।

13.55 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1973-74—*contd.*

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY—*contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now we shall take up further consideration on the Demands for Grants under the control of the Ministries of Industrial Development and Science and Technology.

Shri Jagannath Rao will continue his speech.

SHRI JAGANNATH RAO (Chatrapur): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I was speaking about the growth of monopoly. The M.R.T.P. Act seeks to curb the growth of the monopolistic power. This Act, as I said, is defective and it needs amendment. There is Section 27 in the Act which says that the Central Government can, if it is satisfied, call upon the large houses to shed their interest in certain companies under their control. There are three types of expansions, i.e., where an industry acquires interest in another industry which produces the same product, that is, cal-